SSP/04/01/150

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग प्रवेश
प्रश्नपत्र - १

प्रातः ९:०० से ११:१५] (रविवार, १९ जुलाई, ११९८) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उस के अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ नीलकंठ चरित्र)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किस से और कब कहता है, यह लिखिए। ६

१. *''हम आप के शिष्य नहीं होंगे।''*
२. *''हम आज से स्त्री तथा धन का स्पर्श नहीं करेंगे जैसा आप कहेंगे, वैसा ही करेंगे।''*
३. *''यह क्या? हिन्दुओं की यह कैसी उल्टी रीति! मुझे तो यह सब अघटित लगता है।''*
४. *''दस वर्ष पश्चात् हमारे दर्शन तुम को वडताल में होँगे।''*

प्र. २. निम्नांकित में से किन्हीं दो के १० - १२ पंक्तियों में कारण बताईए । ८

१. *तेलंगी ब्राह्मण का शरीर काला तथा कुरुप हो गया।*
२. *तोताद्रि पर्वत पर भोलानाथ शंकर सती पार्वती को साथ लाए।*
३. *रामानन्द स्वामीने गुरु आत्मानन्द स्वामी का त्याग किया।*
४. *वर्णीने लोज गाँव में रहना पसन्द किया।*

प्र. ३. निम्नांकित में से किसी एक का मुद्दासर विवरण कीजिए। ४

१. *लोज गाँव में नीलकंठ वर्णी द्वारा की हुई सेवा।*
२. *खवीस का मोक्ष।*
३. *भगवानदास को चिन्हों के दर्शन।*

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *नीलकंठ वर्णी कहाँ जाते हुए मार्ग रास्ते में भूले ?*
२. *जगन्नाथ पुरी में किस के उपर मन्दिर बनाया है ?*

३. *नीलकंठ वर्णी को रामानन्द स्वामीने कब उत्तराधिकारी बनाया ?*
४. *रामानन्द स्वामी जहां जहाँ जाते, वहाँ वहाँ क्या वार्ता करते ?*
५. *नीलकंठ को दीक्षा देकर कौन से दो नाम दिये गए ?*
६. *काठियावाड में गुप्त प्रयाग में नीलकंठ को सदैव कौन भोजन कराता था ?*

प्र. ५. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उस का भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. *स्वयं की वाणी को श्राप।*
२. *नरसिंह महेता को नीलकंठ से योग।*
३. *असुरों का नाश।*

प्र. ६. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। ४

१. *रामानन्द स्वामी का पूर्वाश्रम का नाम ..... था।*
२. *भूतपुरी में ..... का जन्म स्थान है।*
३. *घनश्याम को ढूंढने ..... कुँए में गिर पडा।*
४. *नीलकंठने ..... पर्वत पर जाकर ऋषियों का कल्याण किया।*

(विभाग - २ सत्संग वांचनमाला भाग - १)

प्र. ७. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किस से और कब कहतें है, यह लिखिए । ६

१. *''तेरा भगवान सच्चा हो तो अभी आकर दूध पी जायें।''*
२. *''अभी तक की बातें करते हो। सच्चे प्रेमी लगते हो।''*
३. *''साक्षात् पुरुषोत्तमनारायण आप के गाँव पधारेंगे अलौकिक आश्चर्य दिखायेंगे।''*
४. *''भस्म तो समाप्त हो गई।''*

प्र. ८. किन्हीं दो के कारण दीजिए । (१० - १२ पंक्तियों में) ८

१. *मुनिबावा का संशय दूर हुआ।*
२. *जोबन पगीने श्रीजी महाराज के चरणों को आसुँओ से धोया।*
३. *आशाभाईने त्यागाश्रम स्वीकार किया।*
४. *जीवुबा कठिन गर्मी में नँगे पाँव चली गई।*

प्र. ९. निम्नांकित में से किसी एक पर १० – १२ पंक्तियों में मुद्देसर टिप्पणी लीखिए । ४

१. *सद्गुरु निर्गुण स्वामी द्वारा की गई सत्संग सेवा।*

२. *लाडु बारोट द्वारा की गई श्रीहरि की कसौटी।*

३. *आशाभाई का समर्पण।*

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. *विप्र जगन्नाथ को किसने दीक्षा दी तथा क्या नाम रखा ?*

२. *देवानन्द स्वामी के शिष्य कौन थे ?*

३. *विवाह की बात सुनकर जीवुबाने एभल खाचर से क्या कहा ?*

४. *श्रीजी महाराजने झीणाभाई की अर्थी किस लिये उठाई ?*

५. *डभाण की कौन सी तीन वस्तुओं की श्रीजी महाराज प्रशंसा करते थे ?*

६. *निगुर्ण स्वामी की क्या विशेषता थी ?*

प्र. ११. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उस का भावार्थ लीखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. *झीणाभाई का आध्यात्मिक जीवन।*

२. *ब्रह्मानन्द स्वामी का मन्दिर के कार्यो में योगदान।*

३. *शुकानन्द स्वामी की श्रीजी महाराज के प्रति निर्दोष बुद्धि।*

(विभाग – 3 निबंध)

प्र. १२. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग ४५ पंक्तियों में निबंध लीखिए । १५

१. *आध्यात्मिक मार्ग के आदर्श गुरु : प्रमुख स्वामी महाराज।*

२. *संस्कार सिंचन के लिये सत्संग – अनिवार्य अंग।*

३. *युवाओं के आदर्श : नीलकंठ।*

❁ ❁ ❁